IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 9, Issue 1, September 2020
Impact Factor: 4.819

vf/kdkjr= dk jktuhfrdj.k] n"ifj.kke rFkk mik;

M,- tkon v[rj
सहायक प्रोफेसर
राजकीय महाविद्यालय अतरौली, अलीगढ़।

lkjk'k% *स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के प्रारंभिक दशकों में जिन राजनेताओं के पास राज्य की सत्ता आई वे महात्मा गांधी के नेतृत्व में तपे–बढ़े आदर्शवादी जननेता थे। उनके मन में एक नया, बेहतर और विकसित देश बनाने का आतुरक उत्साह था। इस कार्य में उनको सहायता करने के लिए उन्हें एक अनुभवी, अखिल भारतीय, अनुशासित और नियमित प्रशासन तंत्र विरासत के रूप में मिला गया। हालांकि विदेशी शासकों ने इस तंत्र को अपने औपनिवेशिक हितों के लिए बनाया था पर नव स्वतंत्र भारत के महान नेताओं ने इस तंत्र की प्रशासनिक क्षमता को पहचाना और नई प्रेरणा देकर उसे कानून–व्यवस्था के साथ–साथ देश के विकास कार्यों का संचालन करने का दायित्व भी सौंप दिया। इस दौर में प्रशासनिक अधिकारियों के मन में भी अपने देश को विकसित करने का नया उत्साह था और उन्होंने अपने नए दायित्वों का बखूबी निर्वहन किया।*

e[;'kCn% अधिकारतंत्र का राजनीतिकरण, दुष्परिणाम तथा उपाय